

पेज नंबर 1/7

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी, पाली  
पीठासीन अधिकारी : आशाराम डूडी, आर.ए.एस.

राजस्व अपील : 74/2017

अपीलांत

ग्राम पंचायत रानी कला जरिये सरपंच रानी कला, तहसील रानी,  
जिला पाली (राजस्थान)

बनाम

रेस्पोडेन्ट

1. कंचन बेन पत्नी पूनमचंदजी जाति जैन, निवासी नारलाई, तहसील देसूरी।
2. जया बेन पत्नी भरतकुमारजी, जाति जैन निवासी रानी खुर्द, तहसील रानी
3. उम्मेदसिंह पुत्र श्री बिहारीलालजी
4. नाथुसिंह पुत्र श्री बिहारीलालजी
5. घनश्यामसिंह पुत्र नरपतसिंहजी
6. मीठूकंवर पत्नी श्री नरपतसिंहजी
7. भरतसिंह पुत्र श्री नरपतसिंह नाबालिग उम्र 16 वर्ष वर्तमान बालिग
8. संदीपसिंह पुत्र श्री नरपतसिंह जी नाबालिग उम्र 13 वर्ष जरिये कुदरती वली माता श्रीमती मीठूकंवर पत्नी श्री नरपतसिंहजी, जातिगण पुरोहित निवासीगण पुनाडिया, तहसील रानी जिला पाली।



अपील अन्तर्गत धारा 225 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

उपस्थित :-

श्री चन्द्रप्रकाश वैष्णव, विद्वान अभिभाषक अपीलाण्ट  
श्री सी.पी. सिघानिया, विद्वान अभिभाषक रेस्पोडेन्ट्स

:- निर्णय :-

दिनांक:- 28.06.2019

अपीलान्ट की ओर से उनके अधिवक्ता ने यह अपील अन्तर्गत धारा 225 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत सहायक कलक्टर रानी द्वारा राजस्व विविध प्रकरण संख्या 30/2013 बउनवान ग्राम पंचायत रानीकला बनाम कंचनबेन में पारित आदेश दिनांक 15.09.2017 के विरुद्ध पेश की गई। अपील दर्ज रजिस्टर कर रेस्पोडेन्ट्स को जरिये सम्मन तलब किया गया। अधीनस्थ न्यायालय का रेकॉर्ड तलब किया गया। वकील उभयपक्ष की बहस सुनी गई।

राजस्व अपील प्राधिकारी  
पाली

ग्राम पंचायत रानी कला जरिये संपच रानी कला बनाम कंचन बेन वगैरहपेज नंबर 2/7

विद्वान अभिभाषक अपीलान्ट ने अपील बहस के दौरान अपील में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि अपीलांट ने एक वाद अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत वादग्रस्त आराजी ग्राम रानी कला के नये खसरा नंबर 1136 रकबा 0.17 हैक्टर जिसके गत खसरा नंबर 524 के संबंध में प्रस्तुत खातेदारी घोषित कराने का निवेदन किया। साथ ही अस्थाई निषेधाज्ञा हेतु आवेदन अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत प्रस्तुत किया। जिस पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जैर अपील आदेश पारित किया। वादग्रस्त आराजी गत खसरा नंबर 524 ग्राम पंचायत रानी कला की आबादी भूमि है। एवं मौके पर माताजी का मंदिर बना हुआ है। वक्त सेटलमेंट देवराज ने राजस्व अधिकारियों से मिलावट कर बाला-बाला उक्त ग्राम पंचायत की आराजी को अपने नाम कृषि भूमि दर्ज करवा दी। इसके पश्चात देवराज ने उक्त भूमि को रेस्पोजेन्टगण कंचन बेन व अन्य को बेचान कर दी। उसके पश्चात उक्त भूमि को खुर्द-बुर्द करने एवं किस्म परिवर्तन कराने व आबादी में अपने नाम कराने हेतु सक्षम अधिकारी उपखंड अधिकारी रानी के समक्ष आबादी में संपरिवर्तन कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया, जबकि उक्त भूमि अपीलांट की सहमति बिना रेस्पोजेन्टगण को अपने नाम आबादी कराने का कोई अधिकार नहीं है। अधीनस्थ न्यायालय ने उक्त समस्त तथ्यों को नजरअंदाज करते हुए जैर अपील आदेश पारित किया है। जो कि विधिसम्मत नहीं है। अत अपील अपीलांट स्वीकार की जाकर जैर अपील आदेश अपास्त फरमावे।



विद्वान अभिभाषक रेस्पोजेन्ट ने अपील बहस करते हुए निवेदन किया कि अपीलांट ने एक वाद अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत वादग्रस्त आराजी ग्राम रानी कला के नये खसरा नंबर 1136 रकबा 0.17 हैक्टर जिसके गत खसरा नंबर 524 के संबंध में प्रस्तुत खातेदारी घोषित कराने का निवेदन किया। साथ ही अस्थाई निषेधाज्ञा हेतु आवेदन अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत प्रस्तुत किया। जिस पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जैर अपील आदेश पारित किया। वादग्रस्त आराजी रेस्पोजेन्ट के कब्जे काश्त की आराजी है। वादग्रस्त आराजी खसरा नंबर 1136 रकबा 0.17 हैक्टेयर पुराने खसरा नंबर 524 से नहीं बनकर 524 मीन से बने है जो गैर मुमकिन आबादी नहीं होकर बारानी दोयम है। भूप्रबंध विभाग ने गलती से उक्त आराजी को ग्राम पंचायत रानीकला के नाम इन्द्राज कर दिया। उपखंड अधिकारी बाली द्वारा अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के तहत अपने आदेश दिनांक 29.03.1994 द्वारा उक्त त्रुटि को दुरुस्ती करने का आदेश तहसीलदार देसूरी को दिया। जिसकी पालना में नामान्तरकण संख्या 213 दिनांक 11.07.1994 स्वीकृत किया जाकर नियमानुसार खसरा नंबर 1136 रकबा 0.17 हैक्टर देवराज के नाम खातेदारी राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज की गई।

राजस्व अपील प्राधिकारी  
पाली

ग्राम पंचायत रानी कला जरिये संपन्न रानी कला बनाम कंचन बेन वगैरहपेज नंबर 3/7

उक्त नामान्तरकण आदेश के विरुद्ध सवाईसिंह पुत्र गोपालसिंह जाति राजपुरोहित निवासी रानी द्वारा अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जोधपुर के समक्ष राजस्व अपील संख्या 11/2002 प्रस्तुत की गई। जिसे अतिरिक्त संभागीय आयुक्त द्वारा दिनांक 08.06.2006 को अस्वीकार कर खारिज किया गया। जिसके विरुद्ध माननीय राजस्व मंडल अजमेर के समक्ष द्वितीय अपील संख्या 5244/2006 प्रस्तुत की गई। जिसे माननीय राजस्व मंडल अजमेर द्वारा 22.12.2009 को अस्वीकार की जाकर खारिज की गई। उक्त सभी प्रकरणों में ग्राम पंचायत रानी कला को पक्षकार बनाया गया था। माननीय राजस्व मंडल अजमेर के निर्णय के विरुद्ध कोई रिट प्रस्तुत नहीं की गई। जिससे नामान्तरकण संख्या 213 बाद जांच के नियमानुसार स्वीकृत शुदा है। इसके अतिरिक्त नेनाराम व अन्य के द्वारा सिविल जज (क.ख.) बाली के समक्ष दीवानी मूल वाद संख्या 11/2009 बाबत नामान्तरकण संख्या 213 दिनांक 11.7.1994 के तहत हुए राजस्व इन्द्राजात को निरस्त कराने हेतु पेश किया, जो कि दिनांक 28.05.2010 को खारिज हो चुका है। उक्त वाद में अपीलांत बतौर पक्षकार संयोजित थी। इसके अतिरिक्त वादग्रस्त आराजी के संबंध में 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के तहत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में पारित आदेश के विरुद्ध अपीलांत द्वारा कोई अपील सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई है। वादग्रस्त आराजी पर अपीलांत का कोई कब्जा काश्त नहीं है, इसके विपरित रेस्पोंडेन्ट वादग्रस्त आराजी के रिकॉर्डेड खातेदार है। एवं कानूनन रिकॉर्डेड खातेदार को अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाना न्यायोचित नहीं है। अधीनस्थ न्यायालय ने उक्त समस्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जैर अपील आदेश पारित किया है। अतः अपील अपीलांत खारिज फरमाई जावे।



बहस पर मनन किया तथा पत्रावली पर उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया। अपीलांत ने एक वाद अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत वादग्रस्त आराजी ग्राम रानी कला के नये खसरा नंबर 1136 रकबा 0.17 हैक्टर जिसके गत खसरा नंबर 524 के संबंध में प्रस्तुत खातेदारी घोषित कराने का निवेदन किया। साथ ही अस्थाई निषेधाज्ञा हेतु आवेदन अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम के तहत प्रस्तुत किया। जिस पर अधीनस्थ न्यायालय द्वारा जैर अपील आदेश पारित किया। वादग्रस्त आराजी के संबंध में उपखंड अधिकारी बाली द्वारा प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के तहत पारित आदेश दिनांक 29.03.1994 की पालना में तहसीलदार देसूरी ने नामान्तरकण संख्या 213 दिनांक 11.07.1994 स्वीकृत किया जाकर खसरा नंबर 1136 रकबा 0.17 हैक्टर देवराज के नाम खातेदारी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज की गई। उक्त नामान्तरकण आदेश के विरुद्ध सवाईसिंह पुत्र गोपालसिंह जाति राजपुरोहित निवासी रानी द्वारा

ग्राम पंचायत रानी कला जरिये संपच रानी कला बनाम कंचन बेन वगैरहपेज नंबर 4/7

अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जोधपुर के समक्ष राजस्व अपील संख्या 11/2002 प्रस्तुत की गई। जिसे अतिरिक्त संभागीय आयुक्त द्वारा दिनांक 08.06.2006 को अस्वीकार कर खारिज किया गया। जिसके विरुद्ध माननीय राजस्व मंडल अजमेर के समक्ष द्वितीय अपील संख्या 5244/2006 प्रस्तुत की गई। जिसे माननीय राजस्व मंडल अजमेर द्वारा 22.12.2009 को अस्वीकार की जाकर खारिज की गई। उक्त सभी प्रकरणों में ग्राम पंचायत रानी कला को पक्षकार बनाया गया था। माननीय राजस्व मंडल अजमेर के निर्णय के विरुद्ध कोई रिट प्रस्तुत नहीं की गई। जिससे नामान्तरकण संख्या 213 बाद जांच के नियमानुसार स्वीकृत शुदा है। इसके अतिरिक्त नेनाराम व अन्य के द्वारा सिविल जज (क.ख.) बाली के समख दीवानी मूल वाद संख्या 11/2009 बाबत नामान्तरकण संख्या 213 दिनांक 11.7.1994 के तहत हुए राजस्व इन्द्राजात को निरस्त कराने हेतु पेश किया, जो कि दिनांक 28.05.2010 को खारिज हो चुका है। उक्त वाद में अपीलांट बतौर पक्षकार संयोजित थी। वादग्रस्त आराजी के संबध में 136 राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के तहत प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में उपखंड अधिकारी बाली द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध अपीलांट द्वारा कोई अपील सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई है। जिससे यह स्पष्ट है वादग्रस्त आराजी राजस्व रेकर्ड में अपीलाण्ट्स के नाम बतौर खातेदारी दर्ज है। हस्तगत प्रकरण में विधिक प्रश्न यह उठता है कि क्या रेकर्डेड खातेदार को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा के पाबंद किया जाना न्यायोचित है अथवा नहीं ? इस सम्बन्ध **2013(2) RRT Page 828 Rameshi vs. Kajod & ors** में प्रतिपादित किया कि "Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- temporary Injunction application rejected & affirmed by the appellate Court- Land not recorded in the Khatedari of the plaintiff- No. T.I. can be granted against the recorded khatedar- Possession of non-petitioners no. 3 & 4 would be treated after the death of 'B'- Petitioner failed to prove possession- objection raised can only be decided during trail-Concurrent judgments- Held, No illegality or perversity in the order. **2012(2) RRT Pg. No. 1439 Pooran Chand & ors. V/s. Gopal Prasad & ors.** में प्रतिपादित किया कि " Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Trail court restrained both the parties but RAA Dismissed the application of the petitioners - Land recorded on Khatedari of GP - No Revenue entry in favour of the petitioners - Khatedari of 'GP' is based in the registered sale deed Appellate court not found the Prima facie case in favour of the petitioner 'KP' & ors. - Concurrent finding regarding



ग्राम पंचायत रानी कला जरिये संरपच रानी कला बनाम कंचन बेन वगैरह

पेज नंबर 5/7

Khatedari & possession - No T.I. can be granted against the recorded Khatedar holding possession - Held, R.A.A. has not committed any illegality or jurisdictional error.(Para's 7,8 ). **2009(2) RRT Pg. No. 1327 Nannu Ram (Dead) through L.Rs. V/s.Jorlam & ors.** में प्रतिपादित किया कि "Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Temporary Injunction RAA st aside the order - Revision - suit for declaration on the basis of adverse possession - Petitioner admitted that non-petitioners are recorded Khatedar- Both the parties are claiming possession & their question cannot be decided as this stage - Held, no error in the order & upheld. (Para's 5,7). **RRT 2013(1) Pg. No. 133 Kalu & ors. V/s. Jagdish Prasad & ors.** में प्रतिपादित किया कि "Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- RAA set aside the order of granting TI - Non-petitioner purchase the land from the recorded Khatedar of the land by regd. Sale deed- Petitioners are required to prove their case by producing evidence - Prima facie case in favour of the non-petitioners - Held, No Jurisdictional error in the order. (Para's 7,8). **RRT 2013(2) Pg. No. 805 Narayan Singh & ors. V/s. Ramesh** में प्रतिपादित किया कि " Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Temporary injunction - Trail court directed the parties to maintain the status quo of revenue record & at site - Appeal dismissed - Order should have been passed on merits considering the three necessary elements- Held, orders are set aside & case remanded to trail Court.(Para's 7 ,9 ). **2006-07(supp.) RRT, Pg. No. 368 Dhanni V/s. Ramuram** में प्रतिपादित किया कि "Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Revision - Scope - Temporary injunction refused- Order upheld in appeal - Petitioner failed to prove prima facie case, balance of convenience & irreparable loss - Rights & title will be decided in regular suit - Possession not proved - Scope of revision is very limited - Re-appreciation of facts in not. Justified-Held, Revision deserves to be dismissed.(Para's 9,10). **RRT 2015(1) Pg. No. 633 Awtar Khan V/s. Mehar Bano & ors.** में प्रतिपादित किया कि "Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Temporary Injunction - Applications dismissed - Respondent No. 1 & 2 are the recorded Khatedar of the land & no temporary Injunction can be granted - Concurrent



ग्राम पंचायत रानी कला जरिये संरपच रानी कला बनाम कंचन बेन वगैरह

पेज नंबर 6/7

finding - Limited scope - Held, No material illegality or jurisdictional error in the order. (Para's 8,9). **RRT 2015(1) Pg. No. 560 Jhanwari Lal & ors V/s. the Board of Revenue - ors.** में प्रतिपादित किया कि " Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Temporary Injunction - R.A.A. Set aside the order of granting T.I. & Affirmed by the BOR - Registered sale deed in favour of 'B' husband of the respondent no. 2 - No prima facie case found in favour of the petitioners - Held, No error in order of rejecting revision. (Para's 9,10,11). **RRT 2014(2) Pg. No. 1301 Goparam & ors V/s. Harima Ram & ors.** में प्रतिपादित किया कि " Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Temporary Injunction - Application for granting T.I. was dismissed - Defendants / non-applicants are the recorded Khatedar of the land & they are in possession of the land - Concurrent findings - Held, No T.I. can be granted & order suffered with no irregularity or illegality.(Para 7). **RRT 2004(1) Pg. No. 587 Kaushlya V/s.Chotu & ors.** में प्रतिपादित किया कि " Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- P&N purchased the land from non-petitioner nos. 1 to 3 who subsequently sold to non-petitioners nos. 5 to 9 & they are in possession of land - No Possession of plaintiff - 1/5 share claimed by plaintiff in property being ancestral - No prima facie, or balance of convenience in favour of petitioners - Held, no illegality or irregularity in the order of R.A.A. (Para's 7,8). **RRT 2009 (2) Pg. No. 1398 Ramjuddin & ors V/s. Ganesh Kumar & ors.** में प्रतिपादित किया कि " Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Temporary Injunction - Name of non-petitioner no. 1 entered wrongly in the revenue record - Suit relating to land is pending disposal since 1995 - Non Petitioner sold the Land to non-petitioner no. 2 & 3 pending suit- Non-petitioner no. 1 recorded Khatedar & petitioner has not produced any document of possession - No T.I. can be granted against a recorded Khatedar - Concurrent findings - Interference not justified.(Para 7). **RRT 2009(2) Pg. No. 1393 Dhupa V/s. Mamman & ors** में प्रतिपादित किया कि " Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212 & 230 - Application for granting T.I. rejected in absence of the prima facie case - revision - Non-Petitioners are recorded Khatedar of the disputed land & they are in possession - No proof



राजस्व अपील प्राधिकारी  
पाली

74/2017

ग्राम पंचायत रानी कला जरिये संपन्न रानी कला बनाम कंचन बेन वगैरह

पेज नंबर 7/7

produced to show possession - Concurrent finding - Held, No case made out for interference.(Para's 8,9). **RRT 2001(2) Pg. No. 1261 Smt. Prakash Kanwar & ors V/s. Kailash Chandra & ors.** में प्रतिपादित किया कि " Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Land in disputed is a firm property - ) share was of plaintiff's father & half share was of 'S' & 'R' who sold it to 'R', 'K' & 'R' through regd. Sale deed - 'R', 'K' & 'R' again sold to land to 'P', 'A' & 'M' through Regd. Sale deed - Parties are joint recorded Khatedar & co-tenant - Held, No order of T.I. can be passed against co-tenant to deprive them from use if their share & also cannot be evicted & orders are set aside.(Para's 9, 10). **RRT 2010(2) Pg. No. 1392 Ramkaran & ors. V/s. Smt. Ghewari & ors.** में प्रतिपादित किया कि " Rajasthan tenancy act, 1955-Sec. 212- Temporary Injunction - Application and Appeal rejected - G.R. was the co-tenant & he sold the land to 'G' & and she became Khatedar - No name of 'KR' in Kh. No. 10 nor he has possession - No document produced to prove the land ancestral - Recorded Khatedar Cannot be restrained from selling his share - Concurrent finding - Held, No illegality in the order. (Para's 11, 12). हस्तगत प्रकरण में उपरोक्त न्यायिक दृष्टान्त पूर्णतया चस्पा होते हैं। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उक्त न्यायिक दृष्टान्तों को ध्यान में रखते हुए जैर अपील आदेश पारित किया है। जिसमें हम किसी प्रकार की विधिक त्रुटि नहीं पाते हैं।

परिणाम स्वरूप अपीलाण्ट द्वारा प्रस्तुत अपील बलहीन होने से खारिज की जाती है तथा सहायक कलक्टर रानी द्वारा राजस्व विविध प्रकरण संख्या 30/2013 बउनवान ग्राम पंचायत रानीकला बनाम कंचनबेन में पारित आदेश दिनांक 15.09.2017 यथावत जाता है। निर्णय की प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ अधीनस्थ न्यायालय का रेकॉर्ड लौटाया जावे।

निर्णय आज दिनांक 28.06.19 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर बाद हस्ताक्षर कर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



राज (आशा रिस प्रवृद्धी)  
राजस्व अपील प्राधिकारी, पाली